समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

प्रेमानंद महाराज की स्वास्थ्य चिंता बढ़ी, किडनी बीमारी के कारण पदयात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

Publisher

Published on 06 Oct 2025

वृंदावन में आध्यात्मिक जीवन के प्रतीक, प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को लेकर उनके लाखों भक्त चिंतित हैं। महाराज पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज नामक गंभीर आनुवंशिक बीमारी से जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण उन्हें डायलिसिस की नियमित जरूरत है। हाल ही में प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहले उनकी डायलिसिस पांच दिन में एक बार होती थी, लेकिन अब पिछले कुछ दिनों से उन्हें रोजाना डायलिसिस की आवश्यकता पड़ रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज एक ऐसी बीमारी है जिसमें गुर्दों में सिस्ट बन जाते हैं और उनकी कार्यक्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होती है। इस बीमारी में मरीज को समय-समय पर डायलिसिस की जरूरत होती है, ताकि शरीर में विषैले तत्व जमा न हों और गुर्दों का कार्य सही तरीके से संचालित हो सके। प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य में हालिया दिनों में बदलाव के कारण उनकी पदयात्रा भी प्रभावित हुई है।

पद यात्रा, जो उनके भक्तों के लिए आध्यात्मिक अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, पिछले तीन दिनों से रोक दी गई है। उनके भक्तों ने सोशल मीडिया और स्थानीय माध्यमों के जरिए जानकारी साझा की है कि महाराज हाल के दिनों में सार्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं। पदयात्रा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने से भक्तों में मायूसी छा गई है।

महाराज के स्वास्थ्य संकट के चलते वृंदावन के चिकित्सक और उनके व्यक्तिगत स्वास्थ्य दल लगातार उनकी निगरानी में हैं। दैनिक डायलिसिस से उनकी सेहत में स्थिरता तो आ रही है, लेकिन उनके नियमित कार्यक्रम और पदयात्रा पर इसका सीधा असर पड़ा है। भक्तों ने आशा व्यक्त की है कि प्रेमानंद महाराज जल्द ही स्वस्थ होकर अपने आध्यात्मिक कर्तव्यों और पदयात्रा को फिर से शुरू करेंगे।

वृंदावन में उनके अनुयायियों का कहना है कि प्रेमानंद महाराज का मार्गदर्शन और आशीर्वाद उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

उनके स्वास्थ्य संकट ने उनके अनुयायियों में चिंता और चिंता की भावना को बढ़ा दिया है। भक्त लगातार उनके स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

प्रेमानंद महाराज की डायलिसिस रोजाना होने का यह बदलाव चिकित्सकीय दृष्टि से संकेत करता है कि उनके शरीर को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है। डायलिसिस के दौरान शरीर से विषैले तत्व बाहर निकाले जाते हैं और गुर्दों के कार्य में मदद मिलती है। चिकित्सकों का कहना है कि डायलिसिस का नियमित और सही समय पर होना उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भक्तों के अनुसार, महाराज की पदयात्रा न केवल आध्यात्मिक महत्व रखती है बल्कि उनके अनुयायियों के जीवन में मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत भी है। पदयात्रा स्थगित होने के कारण श्रद्धालु मानसिक रूप से प्रभावित हैं और उनकी अनुपस्थिति में शहर में भी एक शांति और उदासी का वातावरण महसूस किया जा रहा है।

इस बीमारी से निपटने के लिए प्रेमानंद महाराज अपने स्वास्थ्य दल के निर्देशन में आहार, व्यायाम और चिकित्सकीय उपचार का पालन कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की गंभीर बीमारी में संतुलित जीवनशैली, उचित चिकित्सा और मानसिक स्थिरता अत्यंत आवश्यक है। महाराज ने अपने अनुयायियों से धैर्य रखने और उनकी प्रार्थनाओं के साथ जुड़े रहने की अपील भी की है।

पद यात्रा स्थगित होने के बावजूद भक्तों का आस्था और प्रेम मजबूत बना हुआ है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उनके स्वास्थ्य की जानकारी साझा की जा रही है और लोग उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। वृंदावन में धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियाँ जारी हैं, लेकिन प्रेमानंद महाराज की अनुपस्थिति में एक खालीपन महसूस किया जा रहा है।

महाराज के स्वास्थ्य संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आध्यात्मिक जीवन के मार्ग पर चलने वाले व्यक्तियों की भौतिक स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनकी बीमारी और वर्तमान उपचार उनके अनुयायियों के लिए जागरूकता और संवेदनशीलता का संदेश भी देती है।

इस प्रकार, प्रेमानंद महाराज की रोजाना डायलिसिस और पदयात्रा स्थगित होने की खबर ने उनके भक्तों को चिंतित कर दिया है। भक्त लगातार उनके स्वास्थ्य में सुधार और जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उनके अनुयायियों की आस्था और विश्वास यह सुनिश्चित करता है कि प्रेमानंद महाराज जल्द ही पुनः अपने आध्यात्मिक मार्गदर्शन और पदयात्रा के माध्यम से लोगों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.